Sr.No.15025

Exam Code: 108004
Subject Code : 1880

B.A. (Honours) - 4th Semester

(2721)

Paper - Hindi (Gadh Sahitya : Nibandh Sansmaran tatha Anuvad)

Time allowed: 2 hrs.

Max. Marks: 100

नोट: कोई चार प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें।

   क) वीर पुरूष का दिल सबका दिल हो जाता है। उसका मन सबका मन हो जाता है। उसके ख्याल सबके ख्याल हो जाते हैं, सबके संकल्प उसके संकल्प हो जाते हैं। उसका बल सबका बल हो जाता है। यह सब और सब उसके हो जाते हैं।

   ख) सत्वगुण के समुद्र में जिनका अन्तःकरण निमग्न हो गया वही महात्मा, साधु और वीर है। ये लोग अपने क्षुद्र जीवन का परित्याग कर ऐसा ईश्वरी जीवन पाते हैं, कि उनके लिए संसार के कुल आगम्य मार्ग साफ हो जाते हैं। आकाश उनके ऊपर बादलों के छाते लगाता है। प्रकृत्ति उनके मनोहर माथे पर राजतिलक लगाती है। हमारे असली और सच्चे राजा यही ,साधु पुरूष हैं।

2. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें।

   क) इस कमीज में उस विधवा के सुख–दुःख, प्रेम और पवित्रता के मिश्रण से मिली हुई जीवन रूपिणी गंगा की बाढ़ चली जा रही है। ऐसी मजदूरी और ऐसा काम–प्रार्थना, सन्ध्या और नमाज से क्या कम है? शब्दों से तो प्रार्थना हुआ नहीं करती। ईश्वर तो कुछ ऐसी ही मूक प्रार्थनाएँ सुनता है और तत्काल सुनता है।

   ख) मनुष्य पूजा ही सच्ची ईश्वर–पूजा है। मन्दिर और गिरजे में क्या रखा है? ईंट, पत्थर, चूना कुछ भी कहो–आज से हम अपने ईश्वर की तलाश मन्दिर, मस्जिद, गिरजा और पोथी में करेंगे। अब तो यही इरादा है कि मनुष्य की अनमोल आत्मा में ईश्वर के दर्शन करेंगे। यही आर्ट है–यही धर्म है।

Contd....P/2

3. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें।

क) उस पार शहर में दूध बेचने जाते या लौटते हुए ग्वाले, किले में काम करने जाते या घर आते हुए मज़दूर, नाव बांधते या खोलते हुए मल्लाह, कभी–कभी 'चुनरी त रँगाउब लाल मजीठी' गाते–गाते मुझ पर दृष्टि पड़ते ही अचकचाकर चुप हो होते हैं। कुछ विशेष सभ्य होने का गर्व करने वालों से मुझे एक सलज्ज नमस्कार भी प्राप्त हो जाता है।

ख) मेरे परिचितों और साहित्यिक बन्धुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित हैं, पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस सम्बन्ध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है।

4. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करें।

क) नीली दीवार पर किस रंग के चित्र सुन्दर जान पड़ते हैं, हरे कुशन पर किस प्रकार के पक्षी अच्छे लगते हैं, सफेद पर्दे के कोनों में किस बनावट के फूल–पत्ते खिलेंगे आदि के विषय में चीनी उतनी ही जानकारी रखता था, जितनी किसी अच्छे कलाकार से मिलेगी। रंग से उसका अति परिचय यह विश्वास उत्पन्न कर देता था कि वह आँखों पर पट्टी बांध देने पर भी स्पर्श से रंग पहचान लेगा।

ख) नारी के हृदय में जो गम्भीर ममता–सजल–वीर–भाव उत्पन्न होता है वह पुरूष के उग्र शौर्य से अधिक उदात्त और दिव्य रहता है। पुरूष अपने व्यक्तिगत या समूहगत रागद्वेष के लिए भी वीर धर्म अपना सकता है और अहंकार की तृप्ति–मात्र के लिए भी। पर नारी अपने सृजन की बाधायें दूर करने के लिए या अपनी कल्याणी सृष्टि की रक्षा के लिए ही रूद्र बनती है।

5. महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय दें।

Contd....P/3

6. निराला भाई संस्मरण के आधार पर निराला जी के व्यक्तित्व वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालें।

7. निम्नलिखित तकनीकी शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करें।

i) Adhoc
ii) Cell
iii) By Product
iv) Dealing hand
v) Extile
vi) Invalid
vii) Offer
viii) Reminder
ix) Zone
x) Zero hour
xi) Trilingual
xii) Surplus
xiii) Reservation
xiv) Entrance
xv) Exit
xvi) Medical Leave
xvii) Authorise
xviii) Payment
xix) Sanctioned
xx) Face Value

8. निम्नलिखित तकनीकी शब्दों का हिन्दी में अनुवाद करें।

i) Acknowledgment
ii) Affidavit
iii) Code
iv) Catalogue
v) Draft
vi) Enrolment
vii) Gazette
viii) Panel
ix) Balance
x) Zero hour
xi) Unilingual
xii) Allowance
xiii) Compartment
xiv) Surety Bond
xv) Attested
xvi) Confirmation
xvii) Live Account
xviii) Layout
xix) Pilgrim Tax
xx) Ordinary fare

****